B.Ed II^nd year

Date - [illegible]
Thursday

पर्यावरण शिक्षा

'हिमखंडों का पिघलना'

Pillar Melting

पृथ्वी के बढ़ते हुए तापमान एवं 'ग्लोबल वार्मिंग' के परिणाम स्वरूप 'स्तम्भों का पिघलना' या 'हिम पिघलना' (Pillar melting) जैसी पर्यावरणीय समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

[पृथ्वी पर पानी का प्रमुख स्रोत -- हिमशैल / ग्लेशियर]

↓ ← मानवीय गतिविधि

[वायुमण्डल में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा का बढ़ना]

↓

[हिमखण्डों के पिघलने की दर का बढ़ना]

↓

[समुद्र का जल-स्तर बढ़ना] [बाढ़]

समुद्र सतह का बढ़ना (Rise in Sea level)

पृथ्वी की सतह का तापमान बढ़ने से 'पर्वतों पर जमी बर्फ की चट्टानें' तथा 'बर्फ द्वीप' आदि 'पिघलकर जल-स्तर को बढ़ा देना। फलस्वरूप 'समुद्र किनारे' बसे नगर बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। इसी प्रकार स्तम्भों के पिघलने से सम्पूर्ण पृथ्वी जलमगन हो जाएगी।

प्रमुख उपाय करना

1. कार्बनडाई ऑक्साइड के संचय पर रोक (वायुमण्डल में)।
2. वृक्षारोपण का वन क्षेत्रों में विस्तार।
3. सौर ऊर्जा व बायोगैस का अधिकाधिक प्रयोग।

Asst Pro - Sapna Tyagi
B.R.C. Deoband

Scanned with CamScanner